

विभक्ति**एकवचनी प्रत्यय****अनेकवचनी प्रत्यय**

प्रथमा
द्वितीया
तृतीया
चतुर्थी
पंचमी
षष्ठी
सप्तमी
संबोधन

मूळरूप

क, का

न, ँ, शीं

क, का

ऊन, थान, च्यान, ज्येन, आक्
चो, ची, चें; चे, च्यो, ची; जो, जी, जें;
आ, ईं, न्त, र, चेर, ग्वेर. [जे, ज्यो, जीं
सामान्यरूप.

विकार

क, कां

नीं, ईं, शीं

क, कां

ऊन, थान, च्यान, आक्

चो, ची, चें; च्ये, च्यो, चीं

आ, ईं, न्त, निं, र, चेर, ग्वेर

नो, नू